Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan

अध्याय - 7 | साखियाँ, सबद (कबीर)

QUIZ PART-03

1. **कबीर किसे संबोधित कर रहे हैं – "मोको कहाँ ढूँढे बन्दे"?**
   A. शिष्य को
   B. पंडित को
   C. साधक/भक्त को
   D. राजा को (C)

व्याख्या : यहाँ कबीर भक्त को संबोधित करते हुए कहते हैं कि मुझे बाहर ढूँढने की आवश्यकता नहीं है।

2. **कबीर के अनुसार ईश्वर कहाँ नहीं मिलता?**
   A. मंदिर और मस्जिद में
   B. तीर्थयात्रा में
   C. क्रिया-कर्म और योग-वैराग्य में
   D. उपरोक्त सभी (D)

व्याख्या : कबीर कहते हैं कि ईश्वर मंदिर, मस्जिद, तीर्थ या क्रिया-कर्म में नहीं, बल्कि हर प्राणी के भीतर है।

3. **"मैं तो तेरे पास में" पंक्ति का क्या आशय है?**
   A. ईश्वर दूर बैठा है
   B. ईश्वर भीतर ही है
   C. ईश्वर केवल योगियों को मिलता है
   D. ईश्वर तपस्या से ही मिलता है (B)

व्याख्या : इसका आशय है कि ईश्वर हमारे भीतर ही निवास करता है, बाहर ढूँढने की आवश्यकता नहीं।

4. **"खोजी होय तो तुरत मिलिहौं" से क्या तात्पर्य है?**
   A. लम्बे साधन की ज़रूरत है
   B. खोज करने पर पलभर में ईश्वर मिल जाता है
   C. ईश्वर बहुत दूर है
   D. ईश्वर मिलना असम्भव है (B)

व्याख्या : कबीर कहते हैं कि यदि साधक सच्चा खोजी है तो वह तुरंत ही ईश्वर को पा सकता है।

5. **"सब साँसों की साँस में" का क्या अभिप्राय है?**
   A. ईश्वर हवा में रहता है
   B. ईश्वर श्वासों में विद्यमान है
   C. ईश्वर को साधना से लाना पड़ता है
   D. ईश्वर सांसारिक सुखों में है (B)

व्याख्या : इस पंक्ति का भाव है कि ईश्वर हमारे हर श्वास में विद्यमान है।

6. **"मोको कहाँ ढूँढे बन्दे" पद में प्रमुख शिक्षा क्या है?**
   A. ईश्वर की खोज बाहर करनी चाहिए
   B. ईश्वर केवल मंदिर में है
   C. ईश्वर हमारे भीतर है
   D. ईश्वर तपस्वियों के पास है (C)

व्याख्या : कबीर की शिक्षा है कि ईश्वर हमारे भीतर ही है, बाहर ढूँढने की आवश्यकता नहीं।

7. **इस पद के वक्ता कौन हैं?**
   A. भक्त
   B. पंडित
   C. कवि
   D. ईश्वर (D)

व्याख्या : इस पद में वक्ता ईश्वर हैं, जो भक्त को संबोधित कर रहे हैं कि वे स्वयं उसके पास हैं।

8. **"खोजी" किसे कहा गया है?**
   A. ज्ञानी
   B. पंडित
   C. सच्चा भक्त
   D. साधु (C)

व्याख्या : "खोजी" सच्चे भक्त को कहा गया है जो ईश्वर को पाने की सच्ची लगन रखता है।

9. **"सब साँसों की साँस में" पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?**
   A. उपमा
   B. यमक
   C. अनुप्रास
   D. श्लेष (C)

व्याख्या : इसमें अनुप्रास अलंकार है क्योंकि 'स' ध्वनि की आवृत्ति से माधुर्य उत्पन्न हुआ है।

10. **इस पद में कबीर किस प्रकार की भक्ति पर बल देते हैं?**
   A. आडंबरपूर्ण भक्ति
   B. बाह्य पूजा-पाठ
   C. आंतरिक और सच्ची भक्ति
   D. कर्मकांड (C)

व्याख्या : कबीर आंतरिक और सच्ची भक्ति पर बल देते हैं, जिसमें ईश्वर को हृदय में अनुभव किया जाता है।

DESH KA APNA SCHOOL